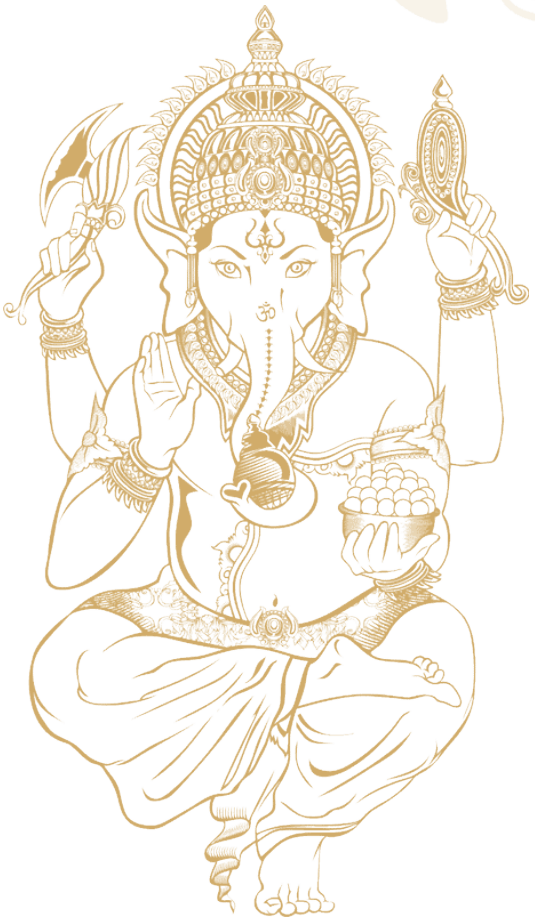

21 Jun 1996

06:05 PM

Ambala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121450403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/06/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:05:00 घंटे**
इष्ट	31:48:38 घटी
स्थान	**Ambala**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:42:16 घंटे
वेलान्तर	-00:01:46 घंटे
साम्पातिक काल	11:42:12 घंटे
सूर्योदय	05:21:32 घंटे
सूर्यास्त	19:27:30 घंटे
दिनमान	14:05:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	06:35:46 मिथुन
लग्न के अंश	19:14:54 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	19:14:54	311:01:23	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
सूर्य			मिथु	06:35:46	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	सम राशि
चंद्र			सिंह	06:25:35	11:54:17	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृष	12:31:57	00:42:26	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध			वृष	16:32:01	01:33:37	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	20:35:00	00:07:14	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	20:14:40	00:24:57	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि			मीन	12:57:56	00:02:42	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	19:46:13	00:04:50	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	19:46:13	00:04:50	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:02:43	00:01:52	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:15:30	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:09:12	00:01:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कन्या	01:20:56	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:32

लग्न-चलित

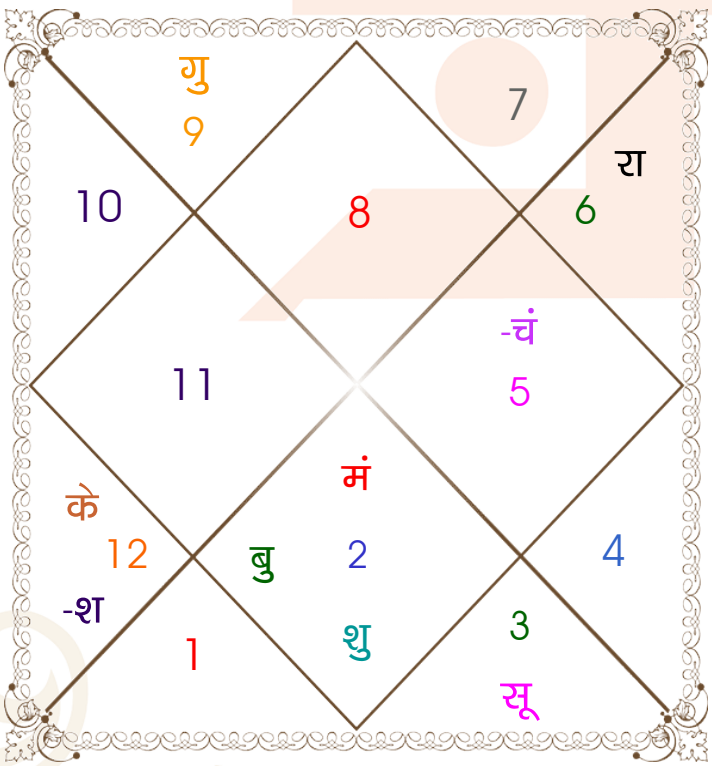

चन्द्र कुंडली

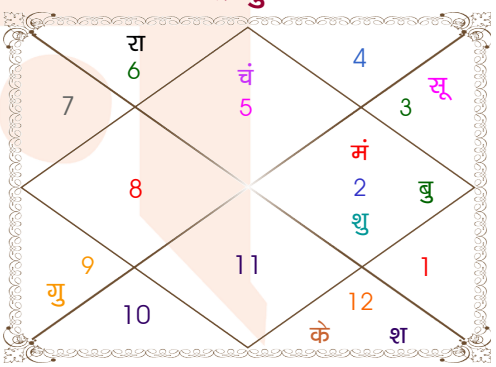

नवमांश कुंडली

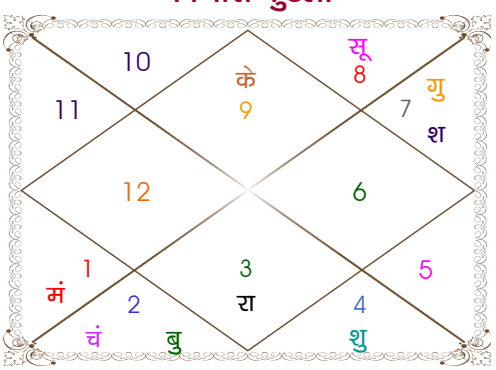

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 7 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/06/1996		06/02/2000		06/02/2020		05/02/2026		06/02/2036	
06/02/2000		06/02/2020		05/02/2026		06/02/2036		05/02/2043	
	00/00/0000	शुक्र	07/06/2003	सूर्य	25/05/2020	चंद्र	07/12/2026	मंगल	04/07/2036
	00/00/0000	सूर्य	06/06/2004	चंद्र	24/11/2020	मंगल	08/07/2027	राहु	22/07/2037
	00/00/0000	चंद्र	05/02/2006	मंगल	01/04/2021	राहु	06/01/2029	गुरु	28/06/2038
	00/00/0000	मंगल	07/04/2007	राहु	23/02/2022	गुरु	08/05/2030	शनि	07/08/2039
	21/06/1996	राहु	07/04/2010	गुरु	13/12/2022	शनि	07/12/2031	बुध	03/08/2040
राहु	24/01/1997	गुरु	06/12/2012	शनि	25/11/2023	बुध	07/05/2033	केतु	30/12/2040
गुरु	31/12/1997	शनि	06/02/2016	बुध	30/09/2024	केतु	06/12/2033	शुक्र	02/03/2042
शनि	09/02/1999	बुध	07/12/2018	केतु	05/02/2025	शुक्र	07/08/2035	सूर्य	07/07/2042
बुध	06/02/2000	केतु	06/02/2020	शुक्र	05/02/2026	सूर्य	06/02/2036	चंद्र	05/02/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/02/2043		05/02/2061		05/02/2077		06/02/2096		06/02/2113	
05/02/2061		05/02/2077		06/02/2096		06/02/2113		00/00/0000	
राहु	19/10/2045	गुरु	26/03/2063	शनि	09/02/2080	बुध	04/07/2098	केतु	05/07/2113
गुरु	13/03/2048	शनि	06/10/2065	बुध	19/10/2082	केतु	02/07/2099	शुक्र	04/09/2114
शनि	18/01/2051	बुध	12/01/2068	केतु	28/11/2083	शुक्र	02/05/2102	सूर्य	10/01/2115
बुध	07/08/2053	केतु	18/12/2068	शुक्र	27/01/2087	सूर्य	09/03/2103	चंद्र	11/08/2115
केतु	25/08/2054	शुक्र	19/08/2071	सूर्य	09/01/2088	चंद्र	07/08/2104	मंगल	07/01/2116
शुक्र	25/08/2057	सूर्य	06/06/2072	चंद्र	10/08/2089	मंगल	05/08/2105	राहु	22/06/2116
सूर्य	20/07/2058	चंद्र	06/10/2073	मंगल	18/09/2090	राहु	22/02/2108		00/00/0000
चंद्र	18/01/2060	मंगल	12/09/2074	राहु	25/07/2093	गुरु	30/05/2110		00/00/0000
मंगल	05/02/2061	राहु	05/02/2077	गुरु	06/02/2096	शनि	06/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।